# चतुर्थ
# एमिटी राष्ट्रीय
# हिंदी मूट कोर्ट प्रतियोगिता
# २०२०

# अवधारणा पत्र

# 4th AMITY NATIONAL HINDI MOOT COURT COMPETITION, 2020

# " वीर भोग्य वसुंधरा "

## CONCEPT NOTE

"निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल।
बिन निज भाषा-ज्ञान के, मिटत न हिय को सूल।।
विविध कला शिक्षा अमित, ज्ञान अनेक प्रकार।
सब देसन से लै करहू, भाषा माहि प्रचार।।"

**शब्दार्थ,**

**निज यानी अपनी मूल भाषा से ही उन्नति सम्भव है, क्योंकि यही सारी हमारी मूल भाषा ही सभी उन्नतियों का मूलाधार है और मातृभाषा के ज्ञान के बिना हृदय की पीड़ा का निवारण सम्भव नहीं है। हमे विभिन्न प्रकार की कलाएँ, असीमित शिक्षा तथा अनेक प्रकार का ज्ञान सभी देशों से जरूर लेने चाहिये, परन्तु उनका प्रचार मातृभाषा में ही करना चाहिये।**

**भारत के संविधान ने देवनागरी लिपि में लिखित हिंदी को** 1950 **के अनुच्छेद** 343 **के तहत देश की आधिकारिक भाषा के रूप में** 1950 **में अपनाया। इसके साथ ही भारत सरकार के स्तर पर अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाएं औपचारिक रूप से इस्तेमाल हुईं। 1949 में भारत की संविधान सभा ने देश की आधिकारिक भाषा के रूप में हिंदी को अपनाया। वर्ष** 1949 **से प्रत्येक वर्ष** 14 **सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है।**

**न्यायिक परिपेक्ष में भी हिंदी की प्रासंगिकता अछूती नहीं है । सरकारी परीक्षाएं हों या फिर कचहरी का काम हिंदी की अनिवार्यता पर आक्षेप करना बेमानी होगा ।हिंदी भाषा में कानूनी कामकाज की महत्वता को मद्देनज़र रखते हुए एमिटी विधि संस्थान , एमिटी विश्वविद्यालय के तत्वावधान में चतुर्थ एमिटी राष्ट्रीय हिंदी आभासी न्यायालय प्रतियोगिता २०२० (4th Amity National Moot Court Competition, 2020) का भव्य आयोजन किया जा रहा हैं। प्रतियोगिता कि वाद समस्या के अध्यन हेतु विभिन्न धर्मो के व्यक्तिगत कानून , भारतीय दंड संहिता एवं अन्य आपराधिक कानूनों के सन्दर्भ में पढ़ा जा सकता हैं ।आशा करते हैं कि आप सभी अपनी सफल प्रतिभागिता से हिंदी भाषा को समर्पित इस शैक्षणिक यज्ञ में अपने प्रयत्नों से आहूति देंगे ।**

## महत्वपूर्ण तिथियाँ

- प्रतियोगिता की तिथि - १९-२० सितंबर, २०२०
- पंजीकरण कि अंतिम तिथि - ३१ अगस्त,२०२०
- स्मृतिका (Memorial) को जमा करने कि अंतिम तिथि (हार्ड कॉपी एवं सॉफ्ट कॉपी ) : ६ सितंबर, २०२०
- प्रतियोगिता सम्बन्धी समस्याओं के समाधान हेतु अंतिम तिथि : ६ सितंबर, २०२०

**पंजीकरण शुल्क - ₹ ३५०० /-**